http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 126

प्रयागराज मंगलवार 21 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

आरजी कर मामले में संजय को उम्रकैद

● 50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया
● आरजी कर दुष्कर्म और हत्या मामले कोर्ट ने सुनाया फैसला, दोषी संजय रॉय को सुनाई उम्रकैद की सजा

कोलकाता,(एजेंसी)। सियालदह की अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने शनिवार को संजय रॉय को पिछले साल नौ अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार दिया था। इस जघन्य अपराध के कारण देश भर में आक्रोश फैल गया था और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा था। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मामले में सोमवार को सजा का एलान कर दिया गया है। कोर्ट ने में संजय रॉय को कोलकाता की एक अदालत ने दोषी करार दिया था। रॉय को जिन धाराओं के तहत दोषी करार दिया गया है, उसमें उसे न्यूनतम आजीवन कारावास, जबकि अधिकतम मौत की सजा हो सकती है। फैसला सुनाने से पहले दोषी को कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान संजय रॉय ने अदालत से कहा कि मुझे फंसाया जा रहा है, मैने कोई अपराध नहीं किया है। इस पर सीबीआई ने कहा कि यह जघन्य अपराध है। इसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। सीबीआई के अधिवक्ता ने अदालत से कहा कि हम समाज में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए कड़ी से कड़ी सजा का अनुरोध करते हैं। मामले में पीड़िता के माता–पिता ने दोषी के लिए मौत की सजा की मांग की है। अपनी दलील में संजय रॉय के वकील ने कहा कि दोषी को फांसी की जगह कोई और सजा दी जानी चाहिए। भले ही यह दुर्लभतम मामला हो, लेकिन सुधार की गुंजाइश होनी चाहिए। अदालत को यह दिखाना होगा कि दोषी क्यों सुधार या पुनर्वास के लायक नहीं है। सरकारी वकील को सबूत पेश करने होंगे और कारण बताने होंगे कि व्यक्ति सुधार के लायक क्यों नहीं है और उसे समाज से पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। क्या है मामला? सियालदह की अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने शनिवार को संजय रॉय को पिछले साल नौ अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार दिया था। इस जघन्य अपराध के कारण देश भर में आक्रोश फैल गया था और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा था।

दोपहर 2.45 बजे अपना फैसला सुनाते हुए दोषी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई। सियालदह अदालत ने संजय रॉय पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। सियालदह कोर्ट के जज अनिरबन दास ने कहा कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है। पीड़ित परिवार को उसकी मौत के लिए 10 लाख रुपये मुआवजा और 7 लाख रुपये अतिरिक्त दिया जाना चाहिए। इससे पहले सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले

संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है: धनखड़

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि लोकतांत्रिक राजनीति संवाद पर पनपती है और संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है। श्री धनखड़ यहां भारतीय विद्या भवन के परिसर में नंदलाल नुआल भारत अध्ययन केंद्र के भवन की आधारशिला रखने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए कि लोकतांत्रिक राजनीति संवाद पर पनपती है। अभिव्यक्ति और संवाद लोकतंत्र के लिए मौलिक हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमें अभिव्यक्ति का अधिकार नहीं है तो हम लोकतंत्र में रहने का दावा नहीं कर सकते और संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि संवाद का अभाव सर्वनाश कर सकता है। संवाद का अभाव लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए मृत्यु की घंटी हो सकता है। अलग–अलग दृष्टिकोणों पर विचार करना लोकतंत्र का अमृत है।

सीएम ने गोरखपुर में हाथी रेस्क्यू सेंटर का उद्घाटन किया

हाथियों को खिलाए केले

● बहराइच से पकड़े गए भेड़ियों का नाम भैरव–भैरवी रखा
● गन्ना और केले खिलाए, गोरखपुर में 2 दिनों के दौरे पर पहुंचे

गोरखपुर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को दो दिनों के दौरे पर गोरखपुर पहुंचे। उन्होंने शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में हाथी रेस्क्यू सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने पूजा–अर्चना की। साथ ही हाथी को केले और गन्ना खिलाया। इसके बाद गैंडा को भी केले खिलाए। इसके साथ रेस्क्यू किए गए बाघ, तेंदुए और भेड़िए को उनके नए बाड़े में छोड़ा गया। मुख्यमंत्री पीलीभीत से लाए गए बाघ का नामकरण भी

आज जनता दर्शन में समस्याएं सुनेंगे

● मुख्यमंत्री के दौरे के दूसरे दिन, वह जनता दर्शन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जहां वह लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनका समाधान करने के निर्देश देंगे।

करेंगे। यह आयोजन वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। संविधान गौरव अभियान में कार्यकर्ताओं को संबोधन मुख्यमंत्री बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में भाजपा के संविधान गौरव अभियान कार्यक्रम में भाग लेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। मंगलवार को जनता दर्शन में समस्याएं सुनेंगे मुख्यमंत्री के दौरे के दूसरे दिन, वह जनता दर्शन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

कोंडागांव सड़क हादसों में चार की मौत, छात्रों समेत 19 घायल

कोंडागांव,(एजेंसी)। छत्तीसगढ के कोंडागांव जिले में सोमवार को दो अलग–अलग सड़क हादसो में चार लोगों की मौत हो गई तथा स्कूली छात्रों समेत 19 अन्य घायल हो गये। कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–30 पर लंजोड़ा गांव में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सिटी कोतवाली कोण्डागांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों मृतक फरसगांव क्षेत्र के निवासी थे। हादसा तब हुआ जब वे फरसगांव से कोण्डागांव की ओर आ रहे थे। एक अन्य हादसे में स्कूली बच्चों से भरी बस एक ट्रक से टकरा गई जिसमें ड्राइवर और एक शिक्षक की मौत हो गई जबकि स्कूली छात्रों समेत 19 अन्य घायल हो गए।

आठ करोड से अधिक श्रद्धालु लगा चुके हैं महाकुंभ में पवित्र डुबकी

महाकुंभनगर,(एजेंसी)। पतित पावन गंगा,श्यामल यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों की संगम स्थली तीर्थराज प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर अब तक आठ करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। अधिकृत सूत्रों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम तक महाकुंभ के मौके पर त्रिवेणी में आठ करोड़ 26 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया है। रविवार को 12 लाख 79 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगायी है। संगम की रेती पर दस लाख से अधिक श्रद्धालु कल्पवास कर रहे हैं। उन्होने बताया कि महाकुंभनगर जिला प्रशासन 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर्व के अवसर पर दस करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना के मद्देनजर तैयारी कर रहा है।

राहुल को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत में चल रही 'मानहानि' कार्यवाही पर लगाई रोक

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को कथित तौर पर 'हत्या का आरोपी' कहने के एक पुराने मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ झारखंड की एक निचली अदालत में चल रही मानहानि मुकदमे की कार्यवाही पर सोमवार को अगले आदेश तक रोक लगा दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री गांधी की याचिका पर उन्हें यह राहत दी और झारखंड सरकार के साथ शिकायतकर्ता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता नवीन झा को नोटिस जारी किया। पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा, "नोटिस जारी करें..अगले आदेश तक ट्रायल कोर्ट के समक्ष सभी कार्यवाहियों पर रोक रहेगी।" झारखंड उच्च न्यायालय ने श्री गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 और 500 के तहत शुरू की गई कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने रांची की एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें मुकदमे के लिए व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था। शीर्ष अदालत के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने दलील दी कि इस मामले से शिकायतकर्ता का कोई लेना–देना नहीं है, क्योंकि पीड़ित व्यक्ति (श्री शाह) ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उन्होंने शीर्ष अदालत के पिछले फैसले का हवाला दिया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि केवल पीड़ित व्यक्ति ही मानहानि की शिकायत दर्ज करा सकता है। यह याचिका भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा द्वारा दायर की गई गई थी, जिसमें 18 मार्च, 2018 को राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने समेत (भाजपा) पार्टी नेताओं को 'झूठा' और 'सत्ता के नशे में चूर' कहने पर उनके (राहुल के) खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

'खो खो' टीम को विश्व चैंपियन पर बधाई

● लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने खो-खो का विश्व चैंपियन बनने पर भारतीय महिला और पुरुष टीम को बधाई दी है। श्री गांधी ने कहा कि यह गौरव की बात है कि भारतीय टीम ने पहली बार खो-खो में विश्व स्तर पर परचम लहराया है और महिला तथा पुरुष वर्ग में ऐतिहासिक जीत हासिल कर खो-खो के विश्व चैंपियन बने हैं। उन्होंने कहा, "पहली बार खो-खो विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के लिए हमारी पुरुष और महिला टीमों पर गर्व है। आपकी दृढ़ता, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क ने भारत को वैश्विक मंच पर चमकाया है।" श्री गांधी ने टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा, "आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ-आपकी उपलब्धियाँ निस्संदेह खिलाड़ियों की एक उल्लेखनीय पीढ़ी को प्रेरित करेंगी।"

सोपोर में गोलीबारी में एक सैनिक घायल, तलाश अभियान जारी

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के सोपोर उप–जिले में रविवार देर रात सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यहां सोमवार को भी तलाश अभियान जारी रहा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। फिलहाल, अभियान के दौरान घायल हुए सैनिक के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों ने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में संयुक्त बलों की अग्रिम टीम का एक सैनिक घायल हो गया। सैनिक को चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि सोपोर के गुज्जरपति इलाके के जालोरा में रविवार शाम को संयुक्त बलों ने आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान, एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) के दौरान आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, रात के दौरान इलाके में कड़ी घेराबंदी की गई थी और आज सुबह संयुक्त बलों की ओर से तलाशी फिर से शुरू की गई। उन्होंने कहा, "आतंकवादियों के साथ कोई नया संपर्क नहीं हुआ है और तलाश अभियान जारी है।" सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने रविवार देर रात कहा कि संदिग्ध गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान चलाया गया। आतंकवाद विरोधी अभियान ऐसे समय में चलाया जा रहा है, जब गणतंत्र दिवस समारोह से पहले पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

'अपने मकसद से भटक रहा महाकुंभ'

● हर्षा, मोनालिसा और आईआईटी बाबा पर भी बोले बाबा बागेश्वर

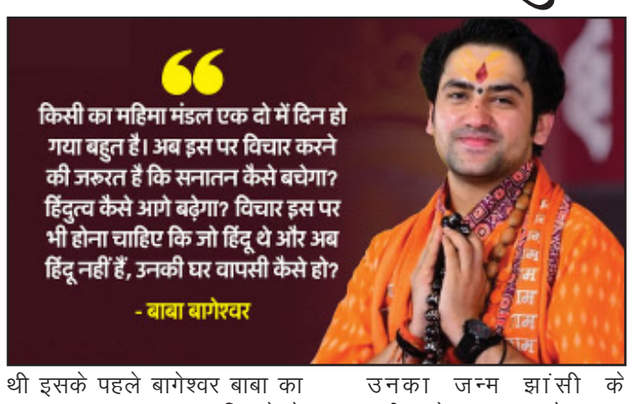

छतरपुर,(एजेंसी)। बागेश्वरधाम के बाबा ने कहा कि कुंभ अपने मुख्य मकसद से भटक रहा है। वहां रील नहीं रियल होना चाहिए। वहां इस बात पर बहस होनी चाहिए कि किस तरह देश हिंदू राष्ट्र बनेगा, कैसे हिंदू धर्म छोड़ चुके मुसलमान व इसाईयों को सनातन धर्म में वापसी करवानी है, इसकी चर्चा होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ इन दिनों सुर्खियों में है। महाकुंभ मेला के दौरान माला विक्रेता मोनालिसा और आईआईटी बाबा अभय सिंह भी अपने–अपने कारणों से चर्चा में है। माला विक्रेता की नीली आंखों और सादगी के कारण लोग उसे श्मोनालिसाश कहकर पुकारने लगे हैं। मोनालिसा का वीडियो भी वायरल हो गया है। इन सब घटनाओं में कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जो बेवहज भी विवाद का रूप लेते नजर आते हैं। अब प्रयागराज के महाकुंभ की इन घटनाओं को लेकर बाबा बागेश्वर यानि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'महाकुंभ अपने मकसद से भटक गया है'। महाकुंभ में हिंदू राष्ट्र कैसे बने, इस पर विमर्श होना चाहिए। उपद्रव करने की बात कही थी इसके पहले बागेश्वर बाबा का एक बयान वायरल था, जिसमें वे महाकुंभ में उपद्रव करने की बात कह रहे थे। उनका कहना था कि महाकुंभ में हम भी जा रहे हैं। जा ही रहे हैं तो सोचा कुछ उपद्रव कर दें। हम सोच रहे थे कि क्यों जाएं और काहें के लिए जाएं। इस बार महाकुंभ में जो हम डुबकी लगाएंगे और कथा करेंगे, वह हिंदू जगाओ और हिंदुस्तान बचाओ के लिए होगा। इसी अभियान को चलाने के लिए हम कथा कहेंगे। कौन है हर्षा रिछारिया? हाल ही में सोशल मीडिया पर ट्रोल होने वालीं हर्षा रिछारिया मूल रूप से झांसी जिले के मऊरानीपुर कस्बे की रहने वाली हैं। भगवा कपड़ों में अखाड़ों के साथ स्नान करने के बाद से उन्हें लेकर कुंभ नगरी में विवाद छिड़ गया था। इसके चलते उन्होंने कुंभ नगरी छोड़ने तक का मन बना लिया था। हर्षा मूल रूप से यू–ट्यूबर हैं। उनका जन्म झांसी के मऊरानीपुर में हुआ। बाद में उनका परिवार भोपाल चला गया। हर्षा अब उत्तराखंड में रहती हैं। हर्षा ने निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि से गुरु दीक्षा ली थी। मकर संक्रांति पर्व पर अखाड़ों के अमृत स्नान के दौरान हर्षा ने भगवा वस्त्र पहनकर गंगा में डुबकी लगाई। कौन है वायरल आईआईटी बाबा? महाकुंभ 2025 शुरू होने के साथ ही आईआईटी वाले बाबा काफी चर्चा में आ गए। जानकारी के मुताबिक आईआईटी वाले बाबा का असली नाम अभय सिंह है।

उन्होंने आईआईटी मुंबई से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। इसके बाद कनाडा में 36 लाख रुपये के पैकेज वाली नौकरी बीच में छोड़ दी। फिर धर्म और संन्यास की राह पर निकल गए।

केजरीवाल ने की डाक्यूमेंट्री 'अनब्रेकेबल' देखने की अपील

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनसे जुड़ी डॉक्यूमेंट्री 'अनब्रेकेबल' को देखने की अपील करते हुए कहा कि यह उनके पिछले दो साल के संघर्ष की कहानी है। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा "ये फिल्म मेरे लिए बेहद भावुक है। ये हमारे पिछले दो साल के संघर्ष की कहानी है। देश में किसी और पार्टी ने ऐसी साजिशों और पूरी व्यवस्था के हमलों का सामना नहीं किया होगा। लेकिन मुश्किल वक्त ही दिखाता है कि हम असल में कौन हैं। उन्होंने कहा कि 'आप इज अनब्रेकेबल'।"

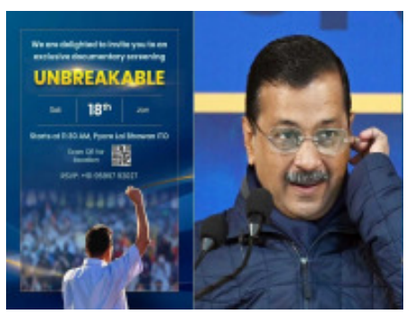

उन्होंने कहा, "धन्यवाद ध्रुव, जब पूरी व्यवस्था इसे रोकने की कोशिश कर रहा था तब आपने इस डॉक्यूमेंट्री को दुनिया के सामने लाने की हिम्मत दिखाई। ये फिल्म पहली बार हमारा पक्ष बताती है। इसे जरूर देखें और सबके साथ साझा भी करें।" दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा "एक ऐसे संघर्ष की कहानी, जहाँ आम लोगों की एक छोटी सी पार्टी ने दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी और तानाशाही सत्ता के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया। यह उस अडिग संघर्ष की दास्तान है, जिसने न केवल तानाशाही सत्ता की चूलें हिला दीं, बल्कि देश की राजनीति की दिशा को भी बदल दिया। अब 'अनब्रेकेबल'जनता के बीच है। इसपर प्रतिबंध लगने से पहले जरूर देखिए कि कैसे 'आप' ने झूठ और षड्यंत्र के सामने कभी हार नहीं मानी।" आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने शायराना अंदाज में कहा, "हर एक बात पे कहते हो तुम कि तू क्या है? मिर्जा गालिब साहेब की लाइन मोदी जी पर फिट बैठती है। हम तो आपसे सिर्फ इतना कहना चाहते हैं मोदी जी की हम टूटेंगे नही। यह डॉक्यूमेंट्री आप भी देखिए और अपने कार्यकर्ताओं को भी दिखाइये।" उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी ने कल अरविंद केजरीवाल से जुड़ी एक डॉक्यूमेंट्री की स्क्रिनिंग का कार्यक्रम रखा था। बाद में पार्टी ने दावा किया दिल्ली पुलिस ने डॉक्यूमेंट्री चलाने पर रोक लगा दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा भारतीय जनता पार्टी के कहने पर किया गया है।

तीसरा विश्व युद्ध रोकूंगा: ट्रम्प

● विक्ट्री भाषण में कहा- मैंने गाजा में सीजफायर कराया, अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकालेंगे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण समारोह में क्या–क्या खास होने वाला है? इसकी जरूरत क्यों पड़ती है? यह कहां होता है? और पूरी दुनिया की नजर इस शपथग्रहण समारोह पर क्यों बनी रहती है? आइये जानते हैं... अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को एक भव्य शपथग्रहण समारोह में देश के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। अमेरिका में इसे इनॉग्रेशन डे यानी अनावरण दिवस भी कहा जाता है। अमेरिका के इतिहास में इस आधिकारिक दिन की अपनी अलग मान्यता है। शपथग्रहण के दिन एक जश्न परेड से लेकर नाच–गाने के लिए आयोजन तक, शपथग्रहण का मौका अमेरिका में एक बड़ा आयोजन बन जाता है। इसी दिन राष्ट्रपति के साथ उपराष्ट्रपति का भी शपथग्रहण होगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण समारोह में क्या–क्या खास होने वाला है? इसकी जरूरत क्यों पड़ती है? यह कहां होता है? और पूरी दुनिया की नजर इस शपथग्रहण समारोह पर क्यों बनी रहती है? आइये जानते हैं... अनावरण समारोह क्या होता है, इसकी जरूरत क्यों? अनावरण समारोह यानी जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति का शपथग्रहण होता है, यह दिन इस बात का परिचायक है कि अमेरिका में पिछले राष्ट्रपति का नेतृत्व अब पूरी तरह हट चुका है और उसकी जगह एक नए नेतृत्व ने जिम्मेदारी उठा ली है। अमेरिका में इसे सत्ता के बदलाव के मौके की तरह देखा जाता है। यूं तो डोनाल्ड ट्रंप को बीते साल नवंबर में ही राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित कर दिया गया था। लेकिन इसके बाद से अनावरण समारोह तक वे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ही रहे। मजेदार बात यह है कि अमेरिका में सत्ता के बदलाव के लिए 20 जनवरी की तारीख तय है। यह व्यवस्था भारत से अलग है, जहां चुनाव के बाद शपथग्रहण तब तक हो सकता है, जब तक पिछली सरकार का कार्यकाल खत्म न हो जाए। अमेरिका में चुनाव के बाद 20 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे ही मौजूदा राष्ट्रपति नए राष्ट्रपति को सत्ता सौंपते हैं। अगर किसी वजह से 20 जनवरी को कोई अप्रिय घटना हो जाए या रविवार या किसी और छुट्टी का दिन पड़ जाए तो ऐसे समय में राष्ट्रपति को निजी तौर पर शपथ दिला जाती है। हालांकि, सार्वजनिक शपथग्रहण समारोह अगले दिन यानी 21 जनवरी को आयोजित किया जाता है।

20 जनवरी को शपथग्रहण के दौरान क्या–क्या होगा? ट्रंप के दूसरे अनावरण दिवस की शुरुआत वॉशिंगटन डीसी की ऐतिहासिक चर्च में सेवा से शुरू होगी। वह सबसे पहले लफायेत स्क्वायर पर सेंट जॉन चर्च जाएंगे।

सम्पादकीय

सड़क हादसों पर गड़करी की चिन्ता जायज

भारत की सड़कों की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक में आए दिन सवाल सामने आते रहे है। कभी सड़क निर्माण होने के एक माह और तीन माह के बीच ही सड़क की परतें बिखरने, शहरों में बनने वाली सड़कों दस फिट से लेकर 15 फिट तक होल होने सहित कई घटनाएं सामने आती रहती है जो इस बॉत का प्रमाण है कि सड़कोंश् के निर्माण में गुणवत्ता और नियमों की कही न कही अनदेखी की जा रही है। 2021 में देश में सड़क हादसों में 1,53,972 मौतें हुई थीं, जो 2022 में बढ़कर 1,68,491 हो गईं। हालिया केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 12 दिसंबर को कहा था कि दुनिया में सड़क हादसों को लेकर सबसे खराब रिकॉर्ड हमारा है। सड़क हादसों पर उनकी याह चिन्ता बिलकुल जायज है। सड़क दुर्घटनाएं ना केवल जान–माल की हानि करती है, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था पर (स्वास्थ देखभाल की नजर से) भी काफी दुष्प्रभाव पड़ता है। हालाकि हर सड़क दुघर्टना में सड़के ही जिम्मेदार हो ऐसा नही है। कई सड़क दुघर्टनाओं में देखा गया है कि ज्यादा रफ्तार से गाड़ी चलाने, नशे में गाड़ी चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने, ओवरटेकिंग करते समय लापरवाही, यातायात के नियमों का उल्लंघन, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक न होने, वाहन चालकों का यातायात के चिह्नों पर ध्यान न देना और पैदल चलने वालों का भूमिगत और पैदल पारपथ का इस्तेमाल न करने के कारण भी सड़क दुघर्टनाओं में मौते हुई है। यानि सड़क दुर्घटनाओं पर काबू न पाए जा सकने को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री की चिंता वाजिब है। इसके लिए वे खराब सड़क निर्माण को जिम्मेदार मानते हैं। इसके पहले भी उन्होंने संसद में कहा था कि विदेश में जब भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं और सड़कों के निर्माण को लेकर बात होती है, तो उन्हें शर्म से मुंह छिपाना पड़ता है। सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। उनके अनुसार खराब सड़क निर्माण को गैर–जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। सड़क निर्माण के ठेकेदारों और इंजीनियरों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। निस्संदेह यह सुझाव कठोर लग सकता है। मगर चूंकि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने संकल्प लिया है कि वह 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को घटा कर आधा करना है तो इस संकल्प को बिना ऐसे कठोर कदम के हासिल नही किया जा सकता। मंत्रालय के अनुसार 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई, जिनमें से एक लाख बहत्तर हजार लोगों की मोत हो गई। इनमें से एक लाख चौदह हजार लोगों की उम्र अठारह से पैंतालीस वर्ष के बीच थी।इसका मतलब है कि हर दिन औसतन 474 लोगों की जान गई या लगभग हर तीन मिनट में एक मौत हुई। सड़क दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिए कई उपाय आजमाए जा चुके हैं। यातायात नियमों के उल्लंघन पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया। जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। मगर इसका कोई उल्लेखनीय असर नजर नहीं आया। सड़क दुर्घटनाएं हर वर्ष कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण सड़कों का खराब ढंग से निर्माण चिह्नित किया गया है। राजमार्गों और द्रुतगामी सड़को पर चौड़ाई आदि में एकरूपता और मोड़ों पर उचित तकनीक का इस्तेमाल न होने के कारण दुर्घटनाएं और मौतें अधिक होती हैं। परिवहन मंत्री ने इस बात की पहचान की और इसे स्वीकार भी किया। सड़कों पर जिन वजहों से दुर्घटनाएं और मौतें होती हैं, उन्हें दूर करने के लिए भारी रकम भी आबंटित की गई है। परिवहन मंत्री ने माना है कि खराब निर्माण सामग्री के इस्तेमाल और अव्यावहारिक डिजाइन की वजह से सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। उनकी चिंता जायज है, लेकिन इसके लिए जिम्मेदारी तय कौन करेगा। यह सर्वविदित है कि सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का पैमाना काफी ऊंचा है। सड़कों के ठेके देने से लेकर उनकी लागत तय करने और फिर तैयार सड़कों की गुणवत्ता का आकलन करने तक अनियमितताएं उजागर होती रहती हैं। इस तरह यह भ्रष्टाचार का एक संगठित तंत्र जैसा बन गया है। ऐसे में अगर ठेकेदारों और इंजीनियरों की कमियों को गैरजमानती अपराध घोषित कर भी दिया जाता है, तो उनमें इसका कितना भय होगा, कहना मुश्किल है। सड़कों की बनावट मानकों के अनुरूप नहीं है, इसका आकलन तो संबंधित महकमे को करना होता है। वैसे भी आम आदमी लाख शिकायत करते रहें कि सड़कों का निर्माण ठीक नहीं हुआ है, उनकी सुनवाई नहीं होती। यह अकारण नहीं है कि कई जगह उद्घाटन के बाद ही किसी सड़क के बारिश मे धस या बह जाने, पुल के गिर जाने की खबर सुर्खियों में होती है। इसलिए सड़कों की गुणवत्ता मापने वाले तंत्र में भी पारदर्शिता लाने की जरूरत है। इस मसले पर सिर्फ चिंता जताने के बजाय सख्त और स्पष्ट नीति जमीनी स्तर पर लागू करने को लेकर ठोस पहल करनी होगी।

ऐतिहासिक भूल करने जा रहा बांग्लादेश... पड़ोसियों के साथ-साथ वैश्विक समुदाय की भी नजर रहेगी

❍ बांग्लादेश का 1971 के भीषण नरसंहार के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान की सेना के साथ सैन्य प्रशिक्षण का समझौता करना न केवल अपने नागरिकों के जख्मों को फिर से कुरेदना है, जो समय के साथ ठीक हो गए थे, बल्कि इससे वह अपने भरोसेमंद पड़ोसी भारत से रिश्ते खराब करने का जोखिम भी ले रहा है।

केएस तोमर

यह विडंबना ही है कि बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ सैन्य प्रशिक्षण के लिए समझौता किया है, जो 1971 के नरसंहार की यादें ताजा करता है। मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार आज भी बांग्लादेश की सामूहिक स्मृति में अंकित है, जिसमें तीस लाख से ज्यादा लोग मारे गए और अनगिनत लोग विस्थापित हुए थे। इसके बावजूद, उन भयावहताओं के लिए जिम्मेदार मुल्क के साथ सहयोग का यह निर्णय ऐतिहासिक जवाबदेही के क्षरण का संकेत देता है। पाकिस्तान ने उस कृत्य के लिए आज तक माफी नहीं मांगी है, क्षतिपूर्ति करना तो दूर की बात! इस तरह इस्लामाबाद से प्रगाढ़ता बढ़ाकर ढाका अपने नागरिकों को अलग–थलग करने के साथ ही उनके जख्मों को फिर से कुरेद रहा है, जिनके बारे में माना जाता था कि वे भर चुके हैं। कूटनीतिक मानदंडों से दूर और भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों को नजर अंदाज कर अंतरिम सरकार का यह निर्णय बांग्लादेश की विदेश नीति में एक हैरतअंगेज और विवादास्पद बदलाव का प्रतीक है, जिसने इतिहासकारों और रणनीतिकारों, दोनों को चकित कर दिया है। इसका कारण भारत की दोषपूर्ण विदेश नीति को माना जा सकता है, जिसके तहत उसने बेदखल नेता शेख हसीना को संरक्षण दिया, जिनसे उस मुल्क की अन्य राजनीतिक ताकतें अलग–थलग हो गईं। अगले माह पाकिस्तानी सैन्य प्रशिक्षक बांग्लादेश की चार छावनियों में काम करेंगे। बांग्लादेश का यह कदम न केवल अपने इतिहास से धोखा है, बल्कि क्षेत्रीय गतिशीलता में बदलाव का परेशान करने वाला संकेत भी है। नैतिक और ऐतिहासिक निहितार्थों से परे, यह समझौता विशेष रूप से भारत के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक परिणाम देने वाला है। मोहम्मद यूनुस के इस्लामाबाद से बेहतर रिश्ते बनाने के प्रयास बांग्लादेश और भारत के मजबूत संबंधों को कमजोर करने का खतरा पैदा करते हैं। नई दिल्ली ने बांग्लादेश के विकास में निर्णायक भूमिका निभाई है, जिसके तहत आर्थिक मदद, बुनियादी सहयोग और आतंकवाद से निपटने से लेकर व्यापार तक के मुद्दों पर महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। बांग्लादेशी सेना पर पाकिस्तानी सेना की काली छाया का प्रभाव अपने पूर्वी पड़ोसी देश में स्थिरता बनाए रखने के भारत के प्रयासों के लिए सीधी चुनौती है।

पाकिस्तानी सेना का भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने का लंबा इतिहास रहा है। पाकिस्तानी प्रशिक्षकों की बांग्लादेशी सेना तक पहुंच भारत विरोधी विचारधारा की जड़ों को मजबूत करने का काम करेगी। इससे भारत–बांग्लादेश साझा सीमा पर तनाव बढ़ सकता है। भारत, जो बांग्लादेश को अपनी 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत एक प्रमुख सहयोगी मानता है, अब इस नए तालमेल के संभावित नतीजों को कम करते हुए ढाका के प्रति अपने नजरिये को फिर से संतुलित करने का चुनौतीपूर्ण कार्य कर रहा है। यह निर्णय बांग्लादेश की घरेलू प्राथमिकताओं और उसके नेतृत्व पर भी सवाल उठाता है। भारत के प्रति सकारात्मक रुख रखने वाली पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को बांग्लादेश में आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता का श्रेय दिया जाता है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि इसका उद्देश्य भारत पर कथित अति–निर्भरता को संतुलित करना हो सकता है, जबकि अन्य इसे उन मतदाताओं को संतुष्ट करने के प्रयास के रूप में देखते हैं, जो भारत विरोधी भावनाओं को प्रश्रय देते हैं। इस समझौते के समय से पता चलता है कि राष्ट्रीय चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक विचारों की भी इसमें भूमिका होगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा किए जा रहे पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन से भी विवाद खड़ा हो गया है। आलोचकों ने सरकार पर विपक्षी दृष्टिकोण को मिटाने और पक्षपातपूर्ण एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है, तो समर्थकों का तर्क है कि इससे समावेशिता सुनिश्चित होती है और ऐतिहासिक विकृतियों को सुधारा जा रहा है। इसके परिणाम गंभीर होंगे, यह युवाओं के मनघ्को आकार देने, सामाजिक एकजुटता को प्रभावित करने और अकादमिक स्वतंत्रता पर बहस को बढ़ावाघ्देने का काम करता है। फिर भी, यह रणनीति जोखिमों से भरी है। आर्थिक उथल–पुथल और आंतरिक अस्थिरता से जूझ रहा पाकिस्तान शायद ही आदर्श साझेदार बन पाए। उसकी सेना मानवाधिकारों के हनन और आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने के आरोपों से घिरी है। उससे जुड़ना बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को धूमिल करने के साथ ही चरमपंथ से निपटने की उसकी प्रतिबद्धता को कमजोर कर सकता है। घरेलू स्तर पर, इस समझौते को नागरिक समाज, बुद्धिजीवियों और आबादी के उन वर्गों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है, जो 1971 में पाकिस्तानी नरसंहार से काफी खफा हैं। भारत के लिए यह घटनाक्रम एक कूटनीतिक दुविधा और बहुत बड़ा सिरदर्द है। सख्त प्रतिक्रिया से ढाका के अलग–थलग पड़ने का खतरा है, जबकि चुप रहने से इस्लामाबाद का मनोबल बढ़ सकता है। ऐसे में सही संतुलन कायम करना नई दिल्ली के लिए अहम होगा, जिसे अब अपने पूर्वी पड़ोसी के साथ तेजी से जटिल होते संबंधों से निपटना होगा। 1971 के अत्याचारों को भूलना न केवल उन लोगों का अपमान है, जिन्होंने बलिदान दिया, बल्कि उस राष्ट्र के लिए भी एक खतरनाक मिसाल है, जिसकी पहचान उसके मुक्ति संघर्ष से गहराई से जुड़ी हुई है। इस समझौते के निहितार्थ बांग्लादेश से परे हैं, क्योंकि इसे दक्षिण एशिया के उभरते भू–राजनीतिक परिदृश्य के व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के साथ, बांग्लादेश की पाकिस्तान से दोस्ती को बहुध्रुवीय दुनिया में कई साझेदारियों का लाभ उठाने की एक बड़ी रणनीति के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, इसके अपने अंतर्निहित खतरे भी हैं।

भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में आई खटास के पीछे हसीना का मामला भी काम कर रहा है। 1975 में जब शेख हसीना के परिजनों की हत्या हुई थी, तब भी भारत ने उन्हें शरण दी थी। हालांकि अभी हसीना को शरण देने से सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और जल–बंटवारे, जैसे मुद्दों को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। भारत बांग्लादेश के साथ 4,096 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। बांग्लादेश के सशस्त्र बलों के भीतर भारत विरोधी भावनाओं के उभरने से द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा होने और सीमा स्थिरता बाधित होने का खतरा है, जिससे क्षेत्रीय शांति बनाए रखने के भारत के प्रयासों को चुनौती मिलेगी। बांग्लादेश के ताजा फैसले ने पहले से ही नाजुक क्षेत्रीय समीकरण में एक अस्थिर तत्व शामिल कर दिया है और इसके नतीजों पर न केवल उसके पड़ोसियों, बल्कि वैश्विक समुदाय की नजर रहेगी।

युद्ध विराम समझौते का ईमानदारी से पालन जरूरी

अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। यह शांतिपूर्ण विश्व संरचना के लिये सुखद ही है कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल–हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। लेकिन इस एवं ऐसे युद्धों ने ऐसे अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े किये हैं कि जब युद्ध की अन्तिम निष्पत्ति टेबल पर बैठकर समझौता करना ही है तो यह युद्ध के प्रारंभ में ही क्यों नहीं हो जाता? युद्ध भीषणतम तबाही, असंख्य लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही क्यों दी जाये? खेर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60–दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा। डेढ़ साल से अधिक समय के युद्ध के बाद, युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति–संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है। इस्राइल–हमास में पिछले डेढ़ साल से चल रहे युद्ध के विराम को एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे बड़ी राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों एवं भारत की बार–बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों–महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल–स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचौन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे। युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक–भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। युद्ध के आघात से पीड़ित लोगों में अक्सर दूसरे पक्ष के साथ मेल–मिलाप करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की इच्छा कम हो जाती है। कमजोर नागरिक समाज और कम सरकारी क्षमताएं लोगों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ बना सकती हैं और राज्य के बिगाड़ने वालों या राजनीतिक विरोधियों द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है। हालांकि, अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते–पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है। अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों–महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल–स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फिलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस युद्ध मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है। युद्ध का अंधेरा मिटाने, शांति का उजला करने एवं अहिंसा–सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते हुए दोनों ही देशों को दिशा–दर्शन देते रहे हैं। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन में भी युद्ध–विराम की अपेक्षा है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। जब तक रूस के अहंकार का विसर्जन नहीं होता।

जनवरी बता रही क्या है जिंदगी : आवेग को नजर अंदाज करने का मौका, नए साल को न समझें बदलाव का समय

❍ जनवरी मौका देती है नए साल के आवेग को नजरअंदाज करने का और यह समझाने का कि जो चल रहा है, बस उसे जारी रखना ही जिंदगी है।

लोरी लीबोविच

संकल्पों के आकर्षण से अछूती नहीं हूं, खासकर स्वास्थ्य संबंधी। हर साल के पहले दिन 25 जनवरी तक प्रतिदिन आठ गिलास पानी पीने की कसम खाती हूं और 25 साल से इसमें विफल रही हूं। ठीक ऐसा ही उस वक्त हुआ, जब मैंने जर्नल बनाने, रोज दस हजार कदम चलने, प्रतिदिन पुश–अप करने जैसे अन्य संकल्प लिए। हालांकि, कुछ वर्ष पहले मैंने वास्तव में कुछ अलग करने का संकल्प लिया था, जो था 'असफलता के लिए खुद को तैयार करना बंद करो।'

अब मैं जनवरी के पहले हफ्ते में उन चीजों की सूची बनाती हूं, जिन्होंने मुझे बीते साल में सुखद अनुभव कराया। इसके लिए मैं अपने फोन की गैलरी में तस्वीरों का सहारा लेती हूं। इस आधार पर मैं वर्ष के संकल्पों की सूची बना लेती हूं। लेकिन इन्हें पूरा करने की टाइम–लाइन मैं कुछ यों बनाती हूं किघ्मुझे अपने लिए खाली वक्त मिलता रहे। हालांकि इस वर्ष मैंने कुछ अन्य लोगों से यह जानने की कोशिश की, कि संकल्पों को लेकर उनका नजरिया क्या है। मैंने सबसे पहले '10: हैप्पियर' पॉडकास्ट के मेजबान और ध्यान के विशेषज्ञ डैन हैरिस से बात की।

उन्होंने मुझे बताया कि किसी भी संकल्प के पीछे छिपे 'क्यों' को समझना जरूरी है। वह कहते हैं, 'अगर मैं ध्यान लगाता हूं या व्यायाम करता हूं, तो इसकी वजह यह है कि मैं औरों से अलग दिखना चाहता हूं।' इसके बाद मैंने मेडिटेशन फॉर मॉर्टल्सघ के लेखक ओलिवर बुकरमैन से बात की। उन्होंने बताया, 'अक्सर हम शुरुआत से ही बड़े बदलावों की उम्मीद करने लगते हैं और जब ऐसा नहीं होता, तो हम निराश होने लगते हैं।' उनकी बातों से मुझे यह समझ आया कि शुरुआत खराब हो, फिर भी निराश होने की जरूरत नहीं, क्योंकि संकल्प पूरा करने के लिए आपके पास पूरा साल बाकी है।

नाइके रनिंग के ग्लोबल हेड कोच क्रिस बेनेट कहते हैं कि आश्चर्यजनक करने के बजाय 'अपनी पहले की स्वस्थ आदतों को दोगुना करें और फिर उनका जश्न मनाएं'। बेनेट के अनुसार, सोने से पहले किताब पढ़ना और जगने पर तत्काल फोन न उठाने की आदतें भी अद्भुत हैं, इन्हें हल्के में न लें।

हिंदू, बौद्ध, जैन सर्किट का केंद्र बनेगी काशी, मार्च तक पूरा होगा काम, बढ़ेगा पर्यटन

वाराणसी। ठींहूंद बेंदकतंचतंइीन रू हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के सर्किट का केंद्र काशी बनेगी। काशी विश्वनाथ, सारनाथ के बाद जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु की जन्मस्थली चंद्रावती (चंद्रपुरी) के गंगा तट को पर्यटन स्थली के तौर पर विकसित किया जा रहा है। 17.07 करोड़ रुपये खर्च कर तैयार हो रही पर्यटन स्थली मार्च तक तक तैयार हो जाएगी।

वाराणसी मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर वाराणसी गाजीपुर एनएच 31 के दाहिने गंगा तट पर चंद्रावती घाट है। यह जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु की जन्मस्थली है। यहां आज भी श्वेतांबर और दिगांबर मंदिर हैं। यहां दुनियाभर से जैन धर्म के मानने वाले तीर्थ करने आते हैं। ऐसे घाट पर जैन परिपथ बन जाने से सारनाथ बौद्ध परिपथ व पास के उमरहां स्वर्वेद महामंदिर धाम व मार्कंडेय महादेव मंदिर पर्यटकों को खूब लुभाएगा। जैन परिपथ के निर्माण से यहां रोजगार के भी अवसर भी बढ़ेंगें। जैन सर्किट तीन धर्मों का सर्किट होगा।

बनारस में और बढ़ेगा पर्यटन

जलयान से जुड़ जाने से देश विदेश से आने वाले हर काशी के पर्यटक यहां आसानी से आ सकेंगे। यहां का विकास होगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। अभी तक तो यहां देश दुनिया से जैन धर्म के स्वावलंबी तीर्थाटन के लिए आते हैं इस सर्किट के चालू होते ही तीनों धर्मों के लोगों का अवागमन हो जाएगा।

केंद्र व प्रदेश के पर्यटन विभाग की ओर से चंद्रावती गंगा तट पर घाट के साथ पर्यटन सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। जैन परिपथ परियोजना के तहत एक सुंदर घाट बनाने का कार्य 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसका शिलान्यास पिछले वर्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ

पांडेय ने किया था। यहां 200 मीटर लंबा घाट बन रहा है। इसमें तीन प्लेटफॉर्म की सीढ़ियों का निर्माण हो रहा है। घाट के निर्माण में गाबियन और रेटेशन वाल का प्रयोग किया जा रहा है। यह काशी के पुराने घाटों की तरह ही दिखेगा।

घाट पर लगाया जाएगा पोर्टेबल चेंजिंग रूम

घाट पर आने वाले पर्यटकों की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसमें शौचालय ब्लॉक, विश्रामगृह, सोलर लाइट, पोर्टेबल चेंजिंग रूम बनेगा। यहां क्षेत्र में जगह-जगह साइनेज लगाए जाएंगे। इसपर जैन तीर्थंकरों की जानकारी लिखी जाएगी। यहां आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्किंग, हेरिटेज लाइट, पत्थर से बनी बेंच और जालीनुमा रेलिंग शामिल है। घाट के बनाने का लक्ष्य वर्ष 2024 तक था लेकिन बाढ़ की वजह से इसमें देरी हुई है।

पहले काजू के साथ पी बीयर, फिर की चोरी, पहचान छुपाने के लिए तोड़ दिया सीसी कैमरा

कोपागंज मऊ। थाना क्षेत्र के इंदारा बाजार में चोरों ने बीयर शॉप के अलावा किराना की दुकान में सेंधमारी की। पहले बीयर की दुकान के काउंटर में रखे पांच हजार रुपये और बीयर की क्रेट चुरा लिए। इसके बाद बगल की किराना दुकान में घुसे। वहां पर बैठ कर चोरों ने पहले काजू का पैकेट खोल कर काजू खाया उसके बाद बीयर पी। दुकान के गल्ले में रखे ढाई हजार रुपये और चंद खुले सिक्कों के साथ चार किलो काजू और तीन किलो बादाम चुरा ले गए। घटना 17 जनवरी की रात की है। पीड़ितों की तहरीर पर शनिवार की रात अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस चोरी के मामले की जांच कर रही है। सरायलखंसी थाना क्षेत्र के दर्पनारायणपुर गांव निवासी सुरेंद्र नाथ यादव की इंदारा बाजार में बीयर की दुकान है। 17 जनवरी की रात दुकान के पीछे का दरवाजा तोड़कर चोर अंदर घुसे। बीयर की दुकान के काउंटर में रखे पांच हजार रुपये और बीयर की क्रेट चुरा ले गए।

महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेलवे का तोहफा

वाराणसी। गोरखपुर रूट से बनारस, कैंट और सिटी होते हुए प्रयागराज के बीच पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनें महाकुंभ के लिए शुरू हुईं। 05112 प्रयागराज रामबाग–मऊ मेला स्पेशल ट्रेन प्रयागराज रामबाग से रात 8.30 बजे खुलेगी और मऊ दूसरे दिन 1.15 बजे पहुंचेगी। 19 से 24 जनवरी तक 05109 मऊ–प्रयागराज रामबाग मेला स्पेशल मऊ से सुबह 5.30 बजे खुलेगी और प्रयागराज रामबाग 10.50 बजे पहुंचेगी। 19 से 23 जनवरी तक 05133 प्रयागराज रामबाग–बलिया मेला स्पेशल ट्रेन प्रयागराज रामबाग से सुबह 8.30 बजे छूटेगी और बलिया शाम 4 बजे पहुंचेगी। 19 से 23 जनवरी तक 05133 बलिया–प्रयागराज रामबाग मेला स्पेशल ट्रेन बलिया से शाम 4.45 बजे खुलेगी और प्रयागराज रामबाग रात 11.55 बजे पहुंचेगी। 19 से 23 जनवरी 05194 प्रयागराज रामबाग–भटनी मेला स्पेशल प्रयागराज रामबाग से शाम 4.45 बजे खुलेगी और दूसरे दिन भटनी रात 12.20 बजे पहुंचेगी। 20 से 24 जनवरी तक 05193 भटनी–प्रयागराज रामबाग मेला स्पेशल ट्रेन भटनी से सुबह 5.30 बजे खुलेगी और प्रयागराज रामबाग दोपहर 1 बजे पहुंचेगी। 05104 गोरखपुर–झूंसी मेला स्पेशल ट्रेन गोरखपुर से रात 8.30 बजे जाएगी। 19 जनवरी को 05103 झूंसी–गोरखपुर मेला स्पेशल, झूंसी से सुबह 7.45 बजे जाएगी।

बनारस, कैंट होकर गुजरेगी तिरूपति–विजयवाड़ा स्पेशल

महाकुंभ के लिए 07107ध07108 तिरुपति–बनारस–विजयवाड़ा कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन शनिवार से शुरू हो गई। 24 फरवरी तक चार फेरों में चलेगी। 07107 तिरुपति–बनारस कुंभ मेला तिरुपति से रात 8.55 बजे छूटेगी और तीसरे दिन दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन पर दोपहर 2.30 बजे, काशी से 3.02 बजे, वाराणसी कैंट पर अपराह्न 3.15 बजे छूटकर बनारस स्टेशन पर 3.45 बजे पहुंचेगी। 07108 बनारस–विजयवाड़ा कुंभ मेला स्पेशल बनारस से शाम 5.30 बजे खुलेगी और तीसरे दिन विजयवाड़ा सुबह 5.30 बजे पहुंचेगी। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के पीआरओ अशोक कुमार ने बताया कि यह 22 एलएचबी कोच की ट्रेन है।

सिक्सलेन सड़क की मांग को लेकर किया बुद्धि-शुद्धि यज्ञ

पीडीडीयू नगर। पड़ाव से बन रहे सिक्सलेन को नगर क्षेत्र में फोरलेन कर दिए जाने से नाराज लोगों का आर्य समाज मंदिर परिसर में चल रहा धरना रविवार को भी जारी रहा। इस दौरान लोगों ने प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की सद्बुद्धि के लिए बुद्धि–शुद्धि यज्ञ किया। वक्ताओं का कहना था कि यहां बड़ा रेलवे जंक्शन है। जहां ट्रेन पकड़ने आसपास के राज्यों से काफी संख्या में लोग आते हैं। इसकी वजह से नगर में अक्सर जाम की समस्या पैदा होती है। एंबुलेंस, स्कूल बस, व्यापारियों व आम नागरिकों को जाम में फंसने से परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका कहना था कि यदि सिक्सलेन बन पाना संभव नहीं है तो सुभाष पार्क से चकिया तिराहे तक सिक्स लेन फ्लाईओवर बना दिया जाना चाहिए। इससे भी समस्या का समाधान हो सकता है। वक्ताओं का कहना था कि प्रशासन व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सद्बुद्धि के लिए बुद्धि–शुद्धि यज्ञ किया गया है। इस मौके पर संतोष कुमार पाठक, चंद्रभूषण मिश्रा, अंशु चतुर्वेदी, दुर्गेश पांडेय, कुंदन सिंह, पंकज सिंह, मयंक जायसवाल, संतोष गुप्ता, लक्ष्मण चौहान, अखिलेश मिश्रा, आरती यादव, प्रतिमा सिंह, विकास राव आदि मौजूद रहे।

10 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

नियामताबाद। अलीनगर पुलिस ने शनिवार को 10 हजार के इनामी गैंगस्टर को उसके गांव बसौरी से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए साहब कुमार पर सकलडीहा थाने में दो, मुगलसराय में एक और अलीनगर थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं। अलीनगर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि इनामी गैंगस्टर साहब कुमार को सुबह करीब 10 बजे बिसौरी गांव से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ अलीनगर थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। उस पर कई अन्य गंभीर अपराधों में भी संलिप्त होने का आरोप है। इसमें चोरी और वाहन चोरी से संबंधित मामले शामिल हैं। एसपी आदित्य लांग्हे ने पुलिस टीम को 10 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की।

छात्रा से छेड़छाड़, दो भाईयों पर केस दर्ज

मधुबन। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की गुहार पर एसपी के आदेश पर दो भाईयों के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़िता ने बताया कि पति रोजी रोटी के लिए बाहर रहते है। घर पर वह बेटियों के साथ रहती है। मेरी 17 वर्षीय बेटी अहिलासपुर स्थित एक इंटर कॉलेज में कक्षा 10 वीं की छात्रा है। वह जब भी स्कूल जाती है। रास्ते आते जाते गांव के ही दो मनबढ़ भाई बेटी से छेड़खानी करते हैं। मोबाइल पर अश्लील मैसेज और वीडियो भेजते हैं। मना करने पर जान से मारने व सामूहिक बलात्कार की धमकी दी। जब वह आरोपियों के घर पर जाकर उनके परिवार से शिकायत करने पर उन लोगों ने उल्टे मेरे व मेरी बेटी पर गलत आरोप लगाया। उधर, मुधबन पुलिस की ओर से कोई जनसुनवाई न होने पर एसपी के यहां शिकायत की, जहां एसपी के निर्देश पर मधुवन पुलिस ने केस दर्ज किया।

तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है भारत : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री

घोसी, मऊ। भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया है। विश्व में भारत का मान सम्मान बढ़ा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपनों का परिणाम है। यह कहना है केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी का। पंकज चौधरी शनिवार देर शाम मऊ में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही भारत विकसित भारत की श्रेणी में आ जाएगा। कहाकि भाजपा के जन कल्याणकारी योजनाओं के कारण जनता ने जनाधार देकर विकास को चुना है। सड़क, बिजली एवं पानी के लिए कोई सड़क पर नहीं है और न ही कोई भूखा मर रहा है। अन्य सरकारों में जनता सड़कों पर उतर कर लाठियां खाती थी। आज पर्याप्त मात्रा में बिजली मिलने के साथ ही मुफ्त राशन, गैस एवं खाद मिल रही है। जनता को मूलभूत सुविधाएं समय से मिल रही हैं। इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, ग्राम्य विकास मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, जेल एवं कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान, राज्य सभा सांसद सकलदीप राजभर, एमएलसी विक्रांत सिंह रिशु, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कुमार गुप्त, विधायक जयमंगल कन्नौजिया, कुंवर कुशवाहा, पूर्व सांसद संगीता आजाद, कामेश्वर सिंह, मनोज राय, रविंद्र उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

पीडीडीयू नगर से प्रयागराज महाकुंभ के लिए चली बस

पीडीडीयू नगर। पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर से प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को अब दिक्कत नहीं होगी। महाकुंभ में जाने वाले स्नानार्थियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम ने पीडीडीयू नगर से प्रयागराज के बीच बस सेवा की शुरूआत की है। रविवार को मुगलसराय के भाजपा विधायक रमेश जायसवाल ने जीटी रोड स्थित काली मंदिर के समीप बस को हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज के लिए रवाना किया। प्रयागराज महाकुंभ आने और जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनें चलाई गई हैं। वहीं जिले से विशेष बस सेवा शुरू की जा रही है। इसी कड़ी में रविवार को जिला प्रशासन के निर्देशन में विशेष बस सेवा शुरू की गई। रविवार को पीडीडीयू नगर से तीन बसें प्रयागराज के लिए रवाना हुईं। ये बसें सोमवार को वापस लौटेंगी। चंदौली डिपो के सहायक प्रबंधक उमा शंकर पति त्रिपाठी ने बताया कि रोजाना पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन परिसर से बसें प्रयागराज जाएंगी। इससे पहले चकिया और सैयदराजा से भी प्रयागराज के लिए बसें उपलब्ध कराई गई हैं। सहायक प्रबंधक ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर से प्रयागराज के लिए प्रति व्यक्ति किराया 216 रुपये है।

113 दिन में ढाई इंच के पहिये पर 10550 किमी की यात्रा करेंगी सोनी - 20 राज्यों का पूरा करेंगी सफर

वाराणसी। स्केटिंग खिलाड़ी और कथक नृत्यांगना सोनी चौरसिया काशी से 20 राज्यों की यात्रा पर जाएंगी। वह रोज तीन घंटे रेत पर दौड़ती हैं और दो घंटे स्केटिंग करती हैं। यात्रा की शुरुआत वह सिगरा स्टेडियम में सोमवार सुबह आठ बजे करेंगी। यात्रा को महापौर अशोक तिवारी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

20 राज्यों से होकर काशी में संपन्न होगी योत्रा

सोनी चौरसिया ने बताया कि काशी से शुरू होने वाली यात्रा 20 राज्यों से होकर काशी में संपन्न होगी। 10,550 किलोमीटर का सफर वह स्केटिंग से पूरा करेंगी। इससे पहले 2022 में सोनी लाल चौक से कन्याकुमारी तक का सफर स्केटिंग से पूरा कर चुकी हैं। वह यात्रा 5011 किलोमीटर की थी। 124 घंटे तक स्केटिंग के साथ कथक का विश्व रिकॉर्ड भी सोनी के नाम है।

113 दिन की है यात्रा

सोनी चौरसिया ने बताया कि योग से आरोग्य तक यात्रा 20 राज्यों से गुजरेगी। वह 113 दिन तक वह मेडिटेशन के साथ, मणिकर्णिका से रामनगर तक दौड़ लगाती हैं। उन्हें 2016 में यश भारती पुरस्कार मिल चुका हैं। वह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की काशी प्रांत की ब्रांड अंबेसडर भी हैं। वह अयोध्या भी स्केटिंग करते जा चुकी हैं।

बनारस, कोलकाता के मूर्तिकार तीन माह से बना रहे मूर्ति

वाराणसी। ठपह ंजंजनम पद प्दकपं रू बनारस में मां सरस्वती की देश की सबसे बड़ी प्रतिमा बनाई जा रही है। 42 फीट की इस प्रतिमा को तीन माह से बनारस व पश्चिम बंगाल के मूर्तिकार बना रहे हैं। मां का सोलह शृंगार पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के नवरदीप धाम की थीम पर सजाया जाएगा। मूर्ति का मुकुट 6 फीट का है। प्रतिमा के साथ 5–5 फीट के दो राजहंस और वीणा 9 फीट का है। बनारस में दुर्गा पूजा के साथ ही अब नए ट्रेंड में बड़ी प्रतिमाएं बनवाने का प्रचलन बढ़ा है। पिछले साल कुछ पूजा क्लबों ने बड़ी प्रतिमाएं बनवाईं थी। इस बार चेतगंज दलहट्टा के आर्यावर्त स्पोर्टिंग क्लब सरस्वती पूजा के लिए देश की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा बनवा रहा है।

खोजवां के कारखाने में प्रतिमा बन रही है। इस प्रतिमा को प्रख्यात मूर्तिकार अभिजीत विश्वास और पश्चिम बंगाल के मूर्तिकार राजेंद्र पाल बाबू दादा बना रहे हैं। उनका दावा है कि पश्चिम बंगाल में 51 फीट की सरस्वती प्रतिमा के बाद यह देश की दूसरी बड़ी प्रतिमा होगी।

विशेष रंगों का होगा इस्तेमाल

मां सरस्वती की प्रतिमा में मां दुर्गा के स्वरूप का मिश्रण किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतिमा का शृंगार देश के प्रसिद्ध नवरदीप धाम (पश्चिम बंगाल) के तर्ज पर किया जा रहा है। करीब ढाई लाख की शृंगार की सामग्री भी वहीं से लाई गई है। बताया कि सोनिया में 36 फीट व लहरतारा में 32 फीट की प्रतिमा बैठेगी। आर्यावर्त स्पोर्टिंग क्लब के कार्यवाहक अध्यक्ष पृथ्वीराज सोनकर ने बताया कि 35 सालों से सरस्वती प्रतिमा बैठाकर पूजा होती है। हर बार नया करने का प्रयास करते हैं। इस बार देश की दूसरी और प्रदेश की पहली सबसे बड़ी प्रतिमा बनवा रहे हैं। बताया कि मूर्ति के रंग–रोगन का कार्य बाकी है। इसका 25 फीसदी काम पूजा पंडाल में होगा, जो शृंगार संबंधी होगा। मूर्ति के निर्माण में पांच लाख खर्च होगा। पिछली बार पूर्वांचल की सबसे बड़ी प्रतिमा आर्यावर्त स्पोर्टिंग क्लब ने ही बनवाई थी। जो खड़ी मुद्रा में 32 फीट और बैठी में 16 फीट की थी।

पश्चिम बंगाल में बनी है सबसे बड़ी प्रतिमा

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के धुपगुड़ी में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा बन रही है, जो 51 फीट की है। यह आठ हाथ की है। इसके पहले बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी सरस्वती प्रतिमा 34 फीट की बनाई गई थी। इसके रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए जलपाईगुड़ी में प्रतिमा बनाई जा रही है। मूर्तिकार अभिजीत विश्वास ने बताया कि पूजा क्लब अब नए ट्रेंड के साथ बड़ी प्रतिमाएं बनवा रहे हैं। इस बार करीब 50 बड़ी प्रतिमाएं बन रही हैं। जो 30 से 36 फीट की हैं। ये प्रतिमाएं अलग–अलग झांकियों के साथ बन रही हैं।

दो साधुओं ने पहले खाना खाया फिर एक लाख के गहने ले भागे

पीडीडीयू नगर। मुगलसराय थाना क्षेत्र के पानी टंकी रोड निवासी राजू चौहान के घर पहुंचे दो साधुओं ने पहले खाना खाया फिर घर में बरक्कत नहीं होने की बात कही। राजू की पत्नी आशा से धन दोगुना करने के लिए गहने और पांच हजार रुपये मंगाए। वे जब बर्तन साफ करने गईं तो वहां मौजूद उनकी 12 साल की बेटी मानसी को पानी छिड़क कर बेहोश कर दिया और एक लाख रुपये मूल्य के गहने और पांच हजार रुपये नकद लेकर भाग निकले। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पानी टंकी निवासी राजू चौहान की पत्नी आशा (45) ने बताया कि रविवार को दोपहर में करीब डेढ़ बजे दरवाजे पर दो साधु आए। दोनों ने बताया कि वे महाकुंभ से आ रहे हैं और बहुत भूखे हैं। कुछ खाने को मांगा। इस पर उन्होंने दोनों को चबूतरे पर बैठाकर खाना खिलाया। उसके बाद दोनों ने कहा कि तुम्हारे घर में बरक्कत नहीं हो रही है। जो भी घर में कीमती सामान, गहने हों उसे ले आओ, दोगुना कर देंगे। इस पर उन्होंने अपने कान के दो सोने की टप्स, दो सोने की मंगलसूत्र और घर में रखे पांच हजार रुपये नकद उनको दे दिया। उन्होंने बताया कि दोनों बेटी मानसी से बात कर रहे थे। उस दौरान वे घर में बर्तन साफ करने गईं, उसी बीच बेटी पर पानी छिड़क दिया, इससे वह बेहोश हो गई और दोनों गहने और रुपये लेकर भाग निकले। उसके बाद उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। आसपास के लोगों ने कई जगह दोनों को खोजा, लेकिन उनका पता नहीं चल पाया। इस संबंध में मुगलसराय थानाध्यक्ष विजय बहादुर सिंह का कहना है कि पीड़िता ने कूड़ा बाजार चौकी इंचार्ज मनोज तिवारी को सूचना दी है। जिसमें बताया है कि दो साधु उनके गहने और रुपये लेकर भाग गए हैं। चौकी इंचार्ज सीसीटीवी की मदद से मामले की जांच कर रहे हैं। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। उधर, राजू चौहान की 12 साल की बेटी मानसी घटना के बाद से पांच घंटे तक शाम करीब साढ़े छह बजे तक सन्न पड़ी रही और एक शब्द भी नहीं बोली। लोग उससे पूछते रहे, लेकिन वह लोगों का चेहरा देखती रही। मां आशा ने बताया कि साधुओं ने पानी छिड़क कर उसे बेहोश कर दिया था। उसके बाद से वह पांच घंटे तक नहीं कुछ नहीं बोल पाई। शाम करीब साढ़े बजे उसने धीरे–धीरे बोलना शुरू किया। उधर, घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा रही। कुछ स्थानीय महिलाओं ने बताया कि साधुओं की संख्या तीन थी।

126 विद्यालयों पर 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट रखेंगे नजर

पीडीडीयू नगर। यूपी बोर्ड परीक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षाएं एक फरवरी से आयोजित होंगी। प्रयोगात्मक परीक्षाएं सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी में कराई जाएंगी। कुल 126 केंद्रों पर होने वाली प्रायोगिक परीक्षाओं पर निगरानी के लिए जिलाधिकारी निखिल फुंडे ने शनिवार को देर शाम 21 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है। माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रयोगात्मक परीक्षाएं जिले में दूसरे चरण में 1 से 8 फरवरी के बीच होनी हैं। परीक्षा के लिए बोर्ड से जरूरी दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। तहसीलदार नौगढ़ सतीश कुमार, डीपीआरओ नीरज सिन्हा, जिला उद्यान अधिकारी सहित जिले के सभी ब्लॉकों के बीडीओ व अन्य अधिकारी सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किए गए हैं। प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए रोल लिस्ट भी कॉलेजों को उपलब्ध करा दी गई है। डीआईओएस दलसिंगार यादव ने बताया कि लिखित परीक्षा की तर्ज पर प्रयोगात्मक परीक्षाओं की भी निगरानी कराई जाएगी। इसके लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर दी गई है। प्रयोगात्मक परीक्षा की भी ऑनलाइन निगरानी होगी। इसके लिए सभी प्रधानाचार्यों को सीसीटीवी कैमरे व इंटरनेट की व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए गए हैं।

ठंड में बढ़े कुत्तों के काटने का मामला, 18 दिन में आए 5684 केस

मऊ। ठंड के मौसम में आम दिनों की तुलना में कुत्तों के काटने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जनवरी में अभी तक महज 18 दिनों में जिला अस्पताल के साथ जनपद की सभी सीएचसी को मिलाकर 5684 केस आ चुके हैं। इसमें जिला अस्पताल में 1750 केस आएं है, जबकि बलिया की सीमा से सटे फतेहपुर मंडाव सीएचसी पर जनवरी माह में 1782 मामले आ चुके हैं। यहां आने वाले मामलों की संख्या जिला अस्पताल से भी अधिक है। ड्रग वेयर हाउस के साथ जिला अस्पताल और सभी सीएचसी को मिलाकर कुल 17390 वायल एंटी रैबीज के उपलब्ध हैं। विभाग का दावा है कि जिला अस्पताल सहित अन्य सभी सीएचसी पर एंटी रैबीज के इंजेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। ठंड में डॉग बाइट के मामले बढ़ने के बाद से विभाग की तरफ से जिला अस्पताल के साथ सभी सीएचसी पर एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाने के लिए उपलब्ध कराया गया है। विभाग का कहना है कि अन्य दिनों की अपेक्षा ठंड के मौसम में कुत्ते ज्यादा हमले करते हैं। कुत्तों से जरा भी छेड़खानी उनको नागवार लगती है और वह हमला कर काट देते हैं। ऐसे में एंटी रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता पर जोर दिया जा रहा है। चिकित्सक की तरफ से सलाह दी जा रही है कि कुत्ते के काटने के 24 घंटे के अंदर एंटी रैबीज का इंजेक्शन आवश्यक रूप से लगा लेना चाहिए। पहली सुई लगने के बाद चिकित्सक की सलाह पर तीसरे, सातवें 14 वें और 29 वें दिन भी इंजेक्शन लगवाना चाहिए। शरीर में जहां पर भी कुत्ता काटे उस जगह को तत्काल साबुन से धोएं। घाव को सुखाने के लिए किसी भी मरहम को लगाने के बाद रैबीज का असर कम हो जाता है। जिला अस्पताल में बीते तीन माह के आकड़ों पर गौर करें तो अक्तूबर में यहां 1825 लोगों को एंटी रैबीज की इंजेक्शन लगाया गया। जबकि नवंबर माह में 2210 ऐसे मामले जिला अस्पताल में आए। वहीं दिसंबर माह में यह आकड़ा बढ़कर करीब 2860 पहुंच गया।

फार्मासिस्ट ने किया लोगों का उपचार, लेकिन कागजों पर तीन डॉक्टरों के इलाज का दावा

मऊ–करहा। मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आंकड़ेबाजी तक सिमट कर रह गया है, इसकी बानगी रविवार को करहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दिखी। जहां जनआरोग्य मेले में फार्मासिस्ट ने मरीजों का उपचार किया, लेकिन कागजों पर यहां आने वाले मरीजों का उपचार तीन चिकित्सकों की ओर से होना दिखाया गया है। पड़ताल के दौरान मुहम्मदाबाद गोहना के करहां पीएचसी सुबह दस पहुंची। यहां टीम के पहुंचने 45 मिनट बाद अस्पताल का ताला खुला। इस दौरान पीएचसी के मुख्य गेट पर चार कुर्सी खाली मिलीं, जबकि अस्पताल पर कोई उपस्थित नहीं था। वहीं दोपहर 1 बजे टीम दुबारा जब यहां पहुंची तो कुछ मरीज इलाज कराने मिले। यहां डाक्टर द्वारा इलाज के संबंध में मौजूद लैब टेक्नीशियन चंदन यादव ने बताया कि यहां तैनात डॉक्टर बृजलाल और बेसिक हेल्थ वर्कर जे.पी यादव की ड्यूटी महाकुंभ में लगी है। ऐसे में दवा फार्मासिस्ट हंसराज यादव की ओर से दिया जाता है।

रोडवेज चालकों और परिचालकों पर बढ़ा दबाव

वाराणसी। डींगउड़ी 2025 रू महाकुंभ को लेकर चालक और परिचालकों पर ज्यादा दबाव है। सिविल लाइंस डिपो के चालक को मिर्गी जैसी बीमारी की जानकारी होने के बावजूद उसे बस की स्टेयरिंग थमाई गई। नतीजा, चालक को मिर्गी आई और अनियंत्रित बस की चपेट में आने से लहरतारा में युवती की दबकर मौत हो गई। वहीं, रोडवेज अधिकारियों का दावा है कि चालक और परिचालक की नियमित जांच होती है। महाकुंभ शुरू होने से पूर्व 13 जनवरी को ही कैंट बस स्टेशन पर रोडवेज चालकों और परिचालकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था। हालांकि महाकुंभ का इतना दबाव है कि चालक और परिचालक अवसाद में आकर नौकरी कर रहे हैं। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि रोस्टर के आधार पर ही ड्यूटी ली जा रही है। रोडवेज में नियमित और संविदा पर चालक हैं। अब तो आउटसोर्सिंग पर परिचालक रखे जा रहे हैं। वाराणसी परिक्षेत्र के आठ डिपो में 1600 चालक और परिचालक हैं। सिविल लाइंस डिपो की बस लेकर आवाजाही करने वाले रोडवेज चालकों और परिचालकों ने बताया कि इस समय दबाव ज्यादा है। डिपो या स्टेशन पहुंचने के 10 से 15 मिनट के अंतराल पर बस लेकर निकलना पड़ रहा है। वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक परशुराम पांडेय ने बताया कि तय मानक पर चालकों और परिचालकों का स्वास्थ्य परीक्षण होता है। 13 जनवरी को ही परीक्षण हुआ, जिन चालकों की स्वास्थ्य में दिक्कत थी, उन्हें दवा के साथ ही आराम की सलाह दी गई। रोस्टर के अनुसार ही ड्यूटी ली जाती है।

अनुबंधित बसों के चालक और परिचालक नहीं पूरा करते मानक

अनुबंधित बस चालकों और परिचालकों की कोई निगरानी नहीं होती है। सिर्फ लाइसेंस के आधार पर मोटर मालिक नौकरी पर उन्हें रख लेते हैं। सिविल लाइंस डिपो की बस से युवती की मौत मामले में छानबीन में सामने आया कि अनुबंधित बस चालक का सिर्फ लाइसेंस ही चेक किया गया। अन्य किसी तरह का चिकित्सकीय परीक्षण नहीं हुआ।

खेत में पानी भरने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट

चहनिया। सलेमपुर गांव सभा के सिवाने मौजा में शनिवार की रात खेत में पानी भरने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई और एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के सेवानिवृत्त फौजी की दो बाइकों में आग लगा दी। इससे दोनों बाइक धू–धू कर जल गई। पुलिस ने प्रधान प्रतिनिधि सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सकलडीहा थाने के रानेपुर गांव निवासी सेवानिवृत्त फौजी संजय सिंह की सलेमपुर गांव के सिवाने में खेत है। शनिवार की सुबह संजय खेत में पानी भर रहे थे। इसी बीच गांव के कुछ लोगों से खेत में पानी भरने को लेकर विवाद हो गया। क्षेत्रीय लोगों ने बीच–बचाव कर दोनों पक्ष को अगल कर दिया। आरोप है कि देर रात प्रधान प्रतिनिधि पक्ष के लोग फिर से पहुंचे और लाठी डंडे से संजय और उनके बेटे की पिटाई कर दी। फौजी और उनके बेटे की बाइक भी जला दी। दोनों किसी तरह से जान बचाकर वहां से भागे। इसके बाद इसकी सूचना बलुआ पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया और तहरीर के आधार पर दूसरे पक्ष के चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बलुआ थानाध्यक्ष डॉ. आशीष मिश्रा ने बताया कि घटना स्थल पर जांच पड़ताल की गई है। सेवानिवृत्त फौजी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सेंट्रल हॉस्पिटल पहुंचे बाबा

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ मेले के दौरान 105 साल के बाबा राम जाने दास सेंट्रल हॉस्पिटल पहुंचे। पेट दर्द की समस्या के चलते एक्सपर्ट डॉक्टरों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें दवा उपलब्ध कराई गई। महाकुम्भ मेला के नोडल चिकित्सा स्थापना डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि सभी आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बाबा राम जाने दास पूरी तरह स्वस्थ हैं। जिसके बाद इन्हें रवाना कर दिया गया। बाबा हनुमानगंज फूलपुर के निवासी हैं। महाकुम्भ मेला में चिकित्सा सुविधाओं के लिए विश्व स्तरीय इंतजाम किए गए हैं। डॉक्टर दुबे ने बताया कि सेंट्रल हॉस्पिटल में महाकुम्भ के श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की निगरानी लगातार की जा रही है और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित उपचार की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था के तहत बाबा राम जाने दास जैसे बुजुर्ग श्रद्धालुओं को सही समय पर उचित चिकित्सा सहायता मिल पाई। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बाबा राम जाने दास को मेला स्थल से घर के लिए रवाना कर दिया गया। जाने से पहले उन्होंने महाकुम्भ में विश्व स्तरीय चिकित्सा इंतजाम के लिए सीएम योगी और चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया।

संस्कार घर, शिक्षा के माध्यम से प्राप्त होता है- आनन्दी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ दर्शन शिविर में पुण्य श्लोका देवी अहिल्याबाई

जी की जन्म त्रिशताब्दी के अवसर ''मातृशक्ति महाकुम्भ कार्यक्रम'' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल जी, अध्यक्ष के रूप में जूना अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द जी महाराज, विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र, वात्सल्य हॉस्पिटल की निदेशक डा0 कृतिका अग्रवाल विशेष उपस्थित क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचन्द्र, क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ0 राममनोहर, क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ दिव्यकान्त शुक्ल उपस्थित, प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार रहें।

महाकुंभ में किन्नर अखाड़े के पास लगी आग, मची अफरातफरी, पाया गया काबू

प्रयागराज। महाकुंभ के सेक्टर 16 सेक्टर अखाड़े के पास सोमवार को सुबह आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। आग जब तक फैलती तब तक श्रद्धालुओं और दूसरे शिविर में ठहरे लोगों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने की सूचना पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। तेज हवा के चलते आग तेजी से बढ़ रही थी। आग लगने के काराणों का पता नहीं चल सका है। एक दिन पहले भी सेक्टर 19 में गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर में आग लगने से भारी नुकसान हो गया था। इसके बाद से मेला प्रशासन ने आग को लेकर पूरे मेले में अलर्ट घोषित कर दिया है। अग्नि शमक यंत्रों की जांच की जा रही है। सेक्टर 16 में किन्नर अखाड़े के शिविर के पास सोमवार को सुबह एक शिविर से धुआं निकलने लगा। यह देखकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जहां आग लगी वहीं पास में समाजवादी पार्टी का भी शिविर लगा है। शोरगुल होने पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड़ को दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग से कोई जान माल की क्षति की सूचना नहीं है।

प्रयागराज में हवाई यात्रियों की आवाजाही का बना कीर्तिमान, सात दिन में इतने यात्रियों ने किया सफर

प्रयागराज। महाकुंभ के मौके पर प्रयागराज एयरपोर्ट में हवाई यात्रियों की आवाजाही का कीर्तिमान बन गया है। महज सात दिन में ही यहां 30 हजार से ज्यादा यात्रियों का आवागमन हुआ। प्रयागराज एयरपोर्ट के निर्माण के बाद यह किसी भी एक सप्ताह में अब तक की सर्वाधिक यात्रियों की संख्या है। खास बात यह रही कि बीते सात दिन में यहां रिकार्ड 226 विमानों की आवाजाही हुई। महाकुंभ मेले का आगाज 13 जनवरी से हुआ है। मेला शुरू होने के साथ ही यात्रियों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होनी शुरू हो गई है। बीते एक सप्ताह के दौरान एक दिन में सर्वाधिक यात्रियों की आवाजाही का भी कीर्तिमान बना है। 14 जनवरी को महाकुंभ के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति के अवसर पर एक ही दिन में 5250 यात्रियों का 38 विमानों से आवागमन हुआ। एक जनवरी 2019 से शुरू हुए प्रयागराज एयरपोर्ट में यह पहला मौका है जब 14 जनवरी को एक ही दिन में पांच हजार से अधिक यात्रियों का आवागमन हुआ। इसी तरह अब 13 जनवरी से 19 जनवरी के बीच मात्र एक सप्ताह में रिकार्ड 30172 यात्रियों की आवाजाही हुई, जबकि बीते दस दिन में यहां 39110 यात्रियों का आवागमन हो चुका है। एयरपोर्ट प्रशासन का मानना है तमाम शहरों से सीधा हवाई संपर्क होने की वजह से जिस तरह से यात्रियों की संख्या बढ़ी है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि इस माह हवाई यात्रियों का ग्राफ 80 हजार के आंकड़े को पार कर सकता है। यहां सर्वाधिक यात्रियों की आवाजाही मई 23 में हुई थी। तब तकरीबन 63 हजार ने हवाई सफर किया था।

संत सम्मेलन में उठेगा स्थायी रूप से वक्फ बोर्ड को बंद करने का मामला

प्रयागराज। पिछले कई कुंभ और महाकुंभ में विश्व हिंदू परिषद के शिविर में हुए संत सम्मेलन के प्रमुख मुद्दों में शामिल था कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बने। वर्ष 2019 में हुए कुंभ में भी राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया था। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है। अब महाकुंभ 2025 शुरू हो चुका है। विहिप शिविर में इस बार भी संत सम्मेलन होगा। हालांकि इस बार विहिप शिविर से जिन मुद्दों पर संत चर्चा कर आपसी सहमति बनाएंगे उसमें वक्फ बोर्ड को स्थायी रूप से बंद करने का मामला सबसे ऊपर है। संत सम्मेलन के पूर्व विहिप केंद्रीय मार्ग दर्शक कमेटी की बैठक में भी वक्फ बोर्ड मामले में चर्चा होगी। विहिप के कुंभ और महाकुंभ में हर बार सनातनी हितों से जुड़े तमाम मुद्दों पर चर्चा होती है। विहिप के केंद्रीय मार्ग दर्शक कमेटी की बैठक में ही संत सम्मेलन के एजेंडे तय होते है। फिर संत सम्मेलन में उन विषयों पर चर्चा कर आपसी सहमति बनाई जाती है। बैठक के माध्यम से ही सनातनी हित में किए जाने वाले कार्यों के संकल्प लिए जाते हैं। इस बार भी जिन मुद्दों पर चर्चा होनी है उसमें धर्मांतरण, मंदिरों पर कब्जे और ज्ञानवापी–मथुरा जैसे कई राष्ट्रीय मुद्दे उठेंगे।

सफाई कर्मचारी नहीं, ये स्वच्छता सेनानी हैं

प्रयागराज। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्यों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि, किसी भी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सफाईकर्मी नींव का पत्थर होते हैं। आज पूरा विश्व दिव्य–भव्य और स्वच्छ महाकुम्भ देख पा रहा है तो इसका सर्वाधिक श्रेय स्वच्छता के वाहक सफाई कर्मचारियों को ही जाता है। उन्होंने कहा कि ये सफाईकर्मी नहीं, बल्कि स्वच्छता सेनानी हैं। केंद्रीय मंत्री खट्टर ने सोमवार को प्रयागराज नगर निगम में सफाई कर्मचारियों को माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान सफाई कर्मचारियों को किट और ट्रैक सूट भी वितरित किया। इसके साथ ही प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा और महापौर गणेश केसरवानी के साथ स्मार्ट सिटी बिल्डिंग का दौरा किया। पार्षदगणों के साथ

केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर, प्रदेश के नगर विकास मंत्री श्री एके शर्मा और महापौर गणेश केसरवानी ने नगर निगम का नवनिर्मित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल रूम देखा। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने उन्हें कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली, शहर की सफाई व्यवस्था, मॉनिटरिंग और कचरा निस्तारण के साथ संचालित एमआरएफ, एआरएफ, बायो सीएनजी और सीएंडडी प्लांट के बारे में जानकारी दी। नगर आयुक्त श्री गर्ग ने बताया कि प्लांट के जरिए निगम को सालाना 40 लाख रुपए का रेवेन्यू भी प्राप्त हो रहा है। वहीं गीले कचरे का निस्तारण कर सीएनजी बनाया जाएगा। इसका वितरण एओएल और घरों में पाइप के जरिए होगा।

आग लगने के बाद पुनर्वास का काम तेज, नए कॉटेज को बनाने का कार्य तेजी से शुरू

प्रयागराज। महाकुंभ के सेक्टर 19 में आग लगने के बाद पुनर्वास का काम तेजी से चल रहा है। पूरे प्रभावित इलाके को फिर से बसाने की तैयारी की जा रही है। सोमवार को घटना स्थल का जायजा लेने के बाद सीएम योगी ने गीता प्रेस गोरखपुर के मुख्य ट्रस्टी कृष्ण कुमार खेमका से मुलाकात करके उनको सांत्वना दिया था। सीएम के आदेश के बाद आग के कारणों का पता लगाने के लिए मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। आग से नष्ट हुए कॉटेज को फिर से तैयार करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। आग लगने की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिलने के बाद सोमवार को मेले में आए बड़ी संख्या में श्रद्धालु सेक्टर 19 पहुंचे और घटना स्थल को देखा। यहां पर दिन भर लोगों की भीड़ जमा रही। इसको देखते हुए मौके पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। आग से प्रभावित गीता प्रेस के शिविर में रोज की तरह काम चलता रहा। अन्न क्षेत्र चलाकर संतों को भोजन प्रसाद दिया गया। गीता प्रेस के मुख्य ट्रस्टी कृष्ण कुमार खेमका ने बताया कि आग लगने से नुकसान होने का कोई कष्ट नहीं है। क्योंक आग से धन की हानि हुई है, जन की हानि नहीं हुई है। धन तो फिर आ जाएगा। गीता प्रेस में रोज की तरह कामकाज चालू हो गया है। संतों को भोजन प्रसाद दिया गया है। कहा कि हमें शासन और प्रशासन से कोई शिकायत नहीं है। आग लगने के बाद मौके पर तुरंत मदद के लिए फायर ब्रगेड की गाड़ियां पहुंच गई थीं। सीएम योगी के साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने भी संदेश भेजकर गीता प्रेस का हाल जाना है। आग लगने के स्थान पर पड़े मलबे को दूसरे दिन भी हटाने का कार्य तेजी से चल रहा है। ट्रैक्टर और जेसीबी की मदद मलबे को हटाने का कार्य चल रहा है। भूमि को समतल करने के बाद नए सिरे से कॉटेजों का निर्माण कराया जाएगा।

महाकुम्भ: एकता का संदेश, नागालैंड का चांगलो, लेह का शोंडोल राज्यों के पवेलियन प्रतीक बने

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ के कैनवास पर देशभर की सांस्कृतिक विविधता का रंग चढ़ चुका है। संगम की रेत पर विभिन्न राज्यों के 12 शानदार पवेलियन सजकर तैयार हो गए हैं। उत्तर प्रदेश का महाकुम्भनगर देश का केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से देश विदेश में जाकर मंत्रियों ने खुद निमंत्रण बांटे हैं, जिसका बड़ा व्यापक असर देखने को मिल रहा है। योगी सरकार के ऐतिहासिक प्रयास से एक जगह पर ही एक साथ सभी राज्यों की सांस्कृतिक समृद्धि साफ देखी जा सकती है। सेक्टर 7 यहां आपको नागालैंड का चांगलो, लेह का शोंडोल लोक नृत्य समेत दादरानगर हवेली, छत्तीसगढ़, गुजरात, एमपी, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान की संस्कृति का संगम देखने को मिलेगा। मध्य प्रदेश का पवेलियन इस बार जनजातीय भगोरिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। यह नृत्य आदिवासी समुदायों की होली से पूर्व मनाए जाने वाले भगोरिया उत्सव का हिस्सा है, जिसमें रंग–बिरंगे परिधान, ढोल–मजीरे की गूंज और युवाओं का गुलाल से खेलते हुए नृत्य महाकुम्भ को और भी खास बना रहा है। इस नृत्य के माध्यम से आदिवासी संस्कृति की गहरी जड़ें और उसे संरक्षित करने का संदेश भी दिया जा रहा है। यहां दस–दस दिन के अंतराल पर धार्मिक फिल्में भी दिखाई जा रही हैं। इसके अलावा शाम 6रू00 बजे से रात्रि 10रू00 बजे तक लोक नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया जाता है। मध्य प्रदेश मंडप में लगाई गई वैदिक घड़ी श्रद्धालुओं के आकर्षण का विशेष केंद्र बन गई है। यह दुनिया की पहली घड़ी है। इस वैदिक घड़ी

का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत वर्ष 29 फरवरी को उज्जैन में किया था। इसे पंडाल के बाहर ही स्थापित किया गया है, जिसे देखने के लिए दूर–दूर से श्रद्धालु सेक्टर 7 पहुंच रहे हैं। राजस्थान का पवेलियन महाकुम्भ में अपनी ऐतिहासिक धरोहर को लेकर दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां के पवेलियन में राजस्थान के प्रसिद्ध किले हवा महल, जयगढ़, चित्तौड़ किला और विजय स्तंभ की झलकियां दिखाई जा रही हैं। इसके अलावा यहां आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमाननवाजी भी इस पवेलियन में खूब की जा रही है। जहां श्रद्धालुओं के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई है। जिसके लिए लोग कतार लगाकर भोजन का स्वाद लेते देखे जा सकते हैं। राजस्थान के लोक संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम 45 दिनों तक लगातार चलेंगे। गुजरात का गरबा, आंध्र प्रदेश का कुचिपुड़ी, उत्तर प्रदेश का जोगिनी नृत्य, उत्तराखंड का छोलिया और छत्तीसगढ़ का छेरछेरा नृत्य महाकुम्भ के मंच पर अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। हर राज्य ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को अद्वितीय तरीके से प्रस्तुत किया है। दादरा नगर हवेली का मुखौटा नृत्य, नागालैंड का चांगलो और लेह लद्दाख का शोंडोल भी इस महाकुम्भ की सांस्कृतिक धारा में रंग भर रहे हैं। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ने कला और साहित्य के रचनात्मक विकास को भी बढ़ावा दिया है। यहां सांस्कृतिक प्रदर्शन, संगीत, नृत्य और प्रदर्शनी के माध्यम से भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं का संचार किया जा रहा है। महाकुम्भ के पवेलियनों के माध्यम से भारतीय एकता और विविधता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है, जो देशवासियों को जोड़ने का एक अभूतपूर्व प्रयास है।

अमेरिका–रूस तक सनातन का डंका, विदेशी किशोरों में छाया संन्यास का क्रेज

प्रयागराज। सनातन धर्म का डंका सात समंदर पार तक किस तरह बज रहा है, इसका विश्व समुदाय के सामने जीता–जागता उदाहरण महाकुंभ में आए बाल और किशोर संन्यासी प्रस्तुत कर रहे हैं। संगम की रेती पर अमेरिका, रूस और जर्मनी के कई बालकों और किशोरों ने सनातन से प्रभावित होकर अपनी संस्कृति और संस्कार दोनों बदल दिया है। ऐसे किशोर संगम की रेती पर माथे पर तिलक, सिर पर मोटी चोटी और धोती–रामनामी ओढ़कर प्रभु श्रीराम, भगवान शिव और कृष्ण को समझने का प्रयास कर रहे हैं। यूक्रेन के साथ तीन साल से युद्धरत रूस की राजधानी मास्को से आए दिमित्रो और डेनयिल संन्यास धारण कर संगम की रेती पर कड़ाके की ठंड में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की पावन त्रिवेणी में डुबकी लगाकर वेद की ऋचाओं का पाठ कर रहे हैं। वह संतों के सानिध्य में देव भाषा संस्कृत भी सीख रहे हैं, ताकि वेद के श्लोकों का शुद्ध उच्चारण कर सकें। 11 वर्षीय दिमित्रो और 13 वर्षीय डेनियल ही नहीं ऐसे 50 से अधिक विदेशी बालक और किशोर महाकुंभ के दो स्नान पर्व बीतने तक सनातन संस्कृति को पूरी तरह अपना कर संन्यासी बन चुके हैं। यह विदेशी किशोर संन्यासी बनकर कल्पवासियों के बीच की कठिन जीवन शैली से लेकर नागाओं के धूना रमाने की साधना तक को करीब से जानने का प्रयास कर रहे हैं। सेक्टर–19 के अपने शिविर में दिमित्रो चार बजे भोर में ही उठ जाते हैं। वह रिक्शे से हर रोज प्रातरू संगम स्नान के बाद सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर पूजा करते हैं। वह बताते हैं कि कल्पवास कर रहे पड़ोस के ही देवरिया निवासी रामायण तिवारी से वह पूजा पद्धति सीख रहे हैं, ताकि वतन लौटने के बाद भी वह जीवन के इस अनुशासन से बंधे रहें। इसी अमेरिका के न्यूयार्क निवासी उद्यमी एडम्मा के पुत्र 15 वर्षीय पुत्र लियाम ने भी महाकुंभ में सनातन धर्म अपना लिया है। जींस, कोट–पैंट में न्यूयार्क से आए लियाम ने अब सफेद धोती पहनने, लपेटने के साथ ही रामनामी ओढ़कर ध्यान और प्रभु का नाम जप शुरू कर दिया है। लियाम ने संगम पर केश मुंडन कराकर मोटी चोटी भी रख ली है।

वह भी हर रोज रिक्शे से संगम में डुबकी लगाने जाते हैं। वह दुर्गा चालीसा, हनुमान चालीसा याद करने के साथ ही वेद पाठ का अभ्यास कर रहे हैं। इसी तरह जापान की महामंडलेश्वर केको आईकावा उर्फ कैला माता के शिविर में रूस, जापान और नेपाल के बालक और किशोर संन्यासी के वेश में ध्यान–साधना में रम गए हैं। जूना अखाड़े के महंतों, महामंडलेश्वरों के शिविरों में 50 से अधिक विदेशी बालक और किशोर संन्यासी बनकर ध्यान–साधना कर रहे हैं।

साढ़े चार लाख रुपये जले, 50 हजार के जले नोट लेकर घूमे, बचने-बचाने के लिए चिल्लाते रहे

प्रयागराज। सेक्टर 19 स्थित श्रीकरपात्र धाम के शिविर में कल्पवास कर रहे बनारस के ज्ञान प्रकाश शुक्ला का करीब चार लाख रुपये जलकर राख हो गए। आग को बुझाने के चक्कर उनकी दोनों हथेली और पत्नी गीता शुक्ला भी आग से झुलस गई हैं। कल्पवासी सुनीता चिल्लाते हुए कह रही थी कि मेरा टेंट जल रहा है, कोई मेरे पति को रोको वह आग बुझाने जा रहे है। कहीं आग में वह भी न जल जाएं। कल्पवासी ज्ञान प्रकाश बताते हैं कि रविवार शाम करीब चार बजे का समय था। वह अपने शिविर में पत्नी के साथ मौजूद थे। तभी उन्हें आग लगी– आग लगी की आवाज सुनाई देने लगा। बाहर निकल कर देखे तो उनके सामने वाले कुटिया से धुआं निकल रहा था। आनन–फानन में वह वहां रखे बालू और पानी से आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन थोड़ी ही देर में देखते देखते आग बिक्राल रूप धारण कर लिया और आग उनके शिविर को भी अपनी आघोष में ले लिया। आग बुझाते समय उनकी पत्नी गीता और दोनों लोगों के हाथ झुलस गए। वहीं आग बुझने के बाद ज्ञान प्रकाश अपने शिविर में रखे बक्सा को देखने के लिए पहुंचे तो वहां पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। बक्से से जली हुई 100–100 और 500–500 की नोटों गड्डी निकली। उन्होंने बताया कि वह 10 जनवरी से ही महाराज जी के शिविर में कल्वास करने के लिए आ गए थे। करीब चार लाख रुपये शिविर में रखे हुए, जिसमें से करीब 50 ,000 जले हुए नोट मिले हैं। साथ ही शिविर में रखे गृहस्थी के सारा सामान जलकर राख हो गया। हमारा टेंट जल रहा है, हमारे पति बुझाने जा रहे हैं...उन्हें रोक लीजिए। इतना कहकर सुनीता जमीन पर बैठकर रोने लगी। लोगों ने ढांढस बंधाया तो वह शांत हुई। सुनीता ने बताया कि वह परिवार के 15 लोगों के साथ संगम स्नान के लिए आई थी। दोपहर में हम सभी लोग अपने शिविर से निकलकर संगम स्नान के लिए गए थे। जब हम लोग लौटे तो देखा कि हमारा टेंट जल रहा है। सुनीता देवी ने बताया कि यह गंगा मइया की कृपा है कि हम लोग आग लगने के समय स्नान करने गए थे। सुनीता जब अपने परिजनों के साथ पहुंची तो उसके सामने आग का भयावह मंजर था। चारों तरफ आग की लपटें और धुआं ही नजर आ रहा था। उसके पति ने जब देखा कि उसका शिविर जल रहा है तो वह दौड़कर उस ओर जाने लगा। इसके बाद सुनीता चिल्लाने लगी कि मेरे पति को रोक लीजिए, वह आग बुझाने जा रहे हैं। इसके बाद लोगों ने उसको शांत कराया। इटावा निवासी प्रकाश नारायण बताते हैं कि जिस समय आग लगी वह सड़क पर थे। वहां से धुआं देखा तो सोर मचाया। लोग अपने–अपने शिविर से जो सामान हाथ लगा लेकर भागने लगे। कोई हाथ में थैला तो कोई सिर पर बोरी लिए सड़क की ओर भागने लगा। उसी समय किसी ने फायर ब्रिगेड को फोन कर घटना की जानकारी दी। थोड़ी ही देर में एक एक करके सायरन बजाते हुए दर्जन भर दमकल की गाड़ी पहुंच आई और आग बुझाने लगी। घटना स्थल पर मौजूद रामसिंह बताते हैं कि जिस समय आग लगी वह भी शिविर के पास ही थे। कुटिया से धुआं उठते देख वह उसके पास गए लेकिन कुटिया में कोई दिखा नहीं, उसके बाद वह शोर शराबा करते हुए बाहर लगे नल से पानी फेंकने लगे, लेकिन तब तक आग धधक पड़। घटना के समय उस शिविर में करीब 200 से 300 लोग मौजूद थे। आग देखते ही चारों तरफ चीख पुकार और भगदड़ मच गई। आग लगने पर सड़क की ओर सामान लेकर भाग रही बिहार की सावित्री देवी सड़क पर हांफती हुई मिली और अपने लोगों को चारों तरफ देख रही थीं। उन्होंने बताया कि उनके साथ बहुत सारे लोग थे, लेकिन कोई दिख नहीं रहा है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062